Self Respect

11-06-2014

- ✓बच्चों के दिल में आता है – हम पहले भक्ति मार्ग के सतसंगों में जाते थे और अभी यहाँ बैठे हैं | रात-दिन का फ़र्क भासता है | यहाँ पहले-पहले तो बाप का प्यार मिलता है | फिर बाप को बच्चों का प्यार मिलता है |

- ✓तुम बच्चे समझ गये हो हम आत्मा हैं, न कि शरीर |

✓अब बच्चे समझते हैं – जन्म-जन्मान्तर तो वह साधू, सन्त, महात्मा आदि करते आये | आजकल फिर फैशन पड़ा है – साईं बाबा, मैहर बाबा..... वह भी सब जिस्मानी हो गये | जिस्मानी प्यार में सुख तो होता ही नहीं है | अभी तुम बच्चों का है रूहानी प्यार | रात-दिन का फ़र्क है | यहाँ तुमको समझ मिलती है, वहाँ तो बिल्कुल बेसमझ हैं | तुम अभी समझते हो बाबा आकरके हमको पढ़ाते हैं |

✓वह सबका बाप है | मेल अथवा फिमेल सब अपने को आत्मा समझते हैं | बाबा बुलाते भी हैं – हे बच्चों | बच्चे भी रेस्पान्स करेंगे | यह है बाप और बच्चों का मेला | बच्चे जानते हैं यह बाप और बच्चों का, आत्मा और परमात्मा का मेला एक ही बार होता है | बच्चे बाबा-बाबा कहते रहेंगे | 'बाबा' अक्षर बहुत मीठा है | बाबा कहने से ही वर्सा याद आयेगा |

✓अब बाप सब बातें समझा रहे हैं | अनेक बार समझाया है और चक्रवर्ती राजा बनाया है | तो जो बाप हमको ऐसा स्वर्ग का मालिक बनाते हैं, उन पर कितना प्यार होना चाहिए |

- ✓अभी तुम बनते हो ईश्वरीय सन्तान | बाप कहते हैं तुम आत्मायें हमारे पास थी ना | भक्ति मार्ग में मुक्ति के लिए बहुत परिश्रम करते हैं | जीवनमुक्ति को तो जानते नहीं | यह बहुत लवली ज्ञान है | बहुत लव रहता है | बाप, बाप भी है, टीचर भी है, सतगुरु भी है | सच्चा-सच्चा सुप्रीम बाबा है जो हमको 21 जन्मों के लिए सुखधाम में ले जाते हैं |

- ✓ बाप आकर बच्चों को समझाते हैं, तुम कहते हो बाबा ने आकर हमको समझदार बनाया है |

- ✓हम सुप्रीम बाप के बच्चे हैं | तुमको सिर्फ़ आधाकल्प के लिए ही नहीं, पौना कल्प के लिए सुख मिलता है | तुम पर भी कई कुर्बान जाते हैं क्योंकि तुम बाप का सन्देश बताकर सब दुःख दूर कर देते हो |
- ✓वैकुण्ठ तो अब नज़दीक आ गया है | अब तो बिल्कुल नज़दीक ही आकर पहुँचे हो | हर एक बात तुमको नज़दीक देखने आयेगी, जितना तुम ज्ञान योग में मज़बूत होते जायेंगे | अनेक बार तुमने पार्ट बजाया है | अभी तुमको समझ मिलती है, जो ही तुम साथ ले जायेंगे | वहाँ की क्या रस्म-रिवाज़ होगी, सब जान जायेंगे |

- ✓ भक्ति को अज्ञान कहा जाता है | ज्ञान और भक्ति अलग-अलग है | ज्ञान सागर बाप अब तुम बच्चों को ज्ञान सिखला रहे हैं | तुम्हारे दिल में आता है, बाबा हर 5 हज़ार वर्ष बाद आकर हमें जगाते हैं |
- ✓ अभी बाप आये हैं हमको सभी दुःखों से छुड़ाने | अभी तुम बच्चों को बेहद में जाना है | सब सुखी हो जायेंगे | सारी दुनिया ही सुखी हो जायेगी | ड्रामा में पार्ट है, उनको भी तुम समझ गये हो | तुम कितना ख़ुशी में रहते हो | बाबा आया है हमको स्वर्ग में ले चलने लिए | हम सब आत्माओं को स्वर्ग में ले जायेंगे |

✓हर सेकण्ड के हर संकल्प का महत्व जानकर जमा का खाता भरपूर करने वाली समर्थ आत्मा भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |